https://shikshabodh.in/

SHIKSHA BODH
(The Journal of Education and Humanities)
A quarterly, peer-reviewed/refereed journal
ISSN: 3139-5880 IMPACT FACTOR: 6.50
VOLUME-1|ISSUE-3|July-September, 2026

NCF-FS 2023 के सन्दर्भ में बुनियादी चरण में खेल-आधारित शिक्षणशास्त्र की सैद्धांतिक रूपरेखा का अध्ययन

***डॉ.राजेश पालीवाल ,**
सह आचार्य,शिक्षक शिक्षा विभाग,
डी वी कालेज उरई जालौन उ.प्र.

*** *डॉ. योगेश कुमार पाल**
सहायक आचार्य शैक्षिक अध्ययन शाला
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर म.प्र.

सारांश-

एन.ई.पी. 2020 विद्यालयी शिक्षा को 3-18 वर्ष की आयु-समूह के लिए चार स्तरीय 5+3+3+4 संरचना की अनुशंसा करती है। ये स्तर विद्यार्थियों के शारीरिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक-नैतिक विकास के स्तरों पर आधारित हैं। बुनियादी स्तर तीन से आठ वर्ष की आयु के बच्चों के लिए है। बच्चे बुनियादी स्तर में विद्यालयी शिक्षा शुरू करते हैं। यह संरचना प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) के सिद्धांतों पर आधारित है। एन.ई.पी. 2020 में कहा गया है- ई.सी.सी.ई. में आदर्श रूप से लचीली, बहुआयामी, बहु-स्तरीय, खेल आधारित, गतिविधि आधारित और पड़ताल आधारित शिक्षा शामिल है, जिसमें वर्णमाला, भाषाएँ, संख्याएँ, गिनती, रंग, आकार, इनडोर और आउटडोर खेल, पहेलियाँ और तार्किक सोच, समस्या समाधान, ड्रॉइंग, पेंटिंग और अन्य दृश्य कलाएँ, शिल्प, नाटक एवं कठपुतली, संगीत और नृत्य गतियाँ शामिल हैं। प्रस्तुत शोध पेपर का उद्देश्य- NCF-FS 2023 में खेल-आधारित शिक्षणशास्त्र के सिद्धांतों और स्वरूप का अध्ययन करना। पंचकोश अवधारणा में खेल-आधारित शिक्षण के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना। प्रारंभिक बाल अधिगम हेतु 'जादूई पिटारा' एवं खिलौना-आधारित शिक्षणशास्त्रके सैद्धांतिक विवेचना करना, बुनियादी चरण में खेल-आधारित शिक्षण के क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों की भूमिका एवं चुनौतियों कोरेखांकित करना है।एन.सी. एफ. का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं और वास्तविकताओं का सामना करने में स्पष्ट और निःसंकोच होना है, जिसके बिना हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन में वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं हो पाएगा।

शब्द कुंजी- एन.ई.पी. 2020,राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023, बुनियादी चरण, खेल-आधारित शिक्षणशास्त्र, पंचकोश अवधारणा आदि।